भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने हालिया खराब प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी का भरोसा जताया। 2025 में, यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। -सूर्य कुमार यादव

भारतीय कप्तान, सूर्य कुमार यादव खराब प्रदर्शन पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — हार्दिक पांड्या

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के छक्कों में से एक छक्का कैमरामैन को लग गया। भारतीय स्टार ने उनके साथ एक भावुक पल साझा किया, जब उन्होंने उनसे माफी मांगी, उन्हें गले लगाया और दर्द कम करने के लिए बर्फ से सिकाई की। हार्दिक का बल्ला आग उगल रहा था और उन्होंने चौकों और छक्कों की झड़ी लगाकर गेंदबाजों को ध्वस्त कर दिया, जिसमें उनकी खास कुंग फू पांड्या वाली आक्रामकता और आत्मविश्वास झलक रहा था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने कई बार पाकिस्तान के खिलाफ 250 से अधिक बनाए हैं, मगर कभी भी पाकिस्तान की तरफ से जवाबी कार्रवाई देखने को नहीं मिली।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम का ऐलानःसूर्या कप्तान, ईशान की वापसी; शुभमन बाहर, अगरकर बोले- गिल रन नहीं बना पा रहे

मुंबई, 20 दिसम्बर। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। मुंबई के हेडक्वार्टर में शनिवार को सचिव देवजीत सैकिया ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी में स्क्वॉड की घोषणा की। टीम में अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि शुभमन गिल को टीम से बाहर कर दिया गया है। विकेटकीपर संजू सैमसन को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। इसके अलावा ईशान किशन और रिंकू सिंह को भी टीम में मौका मिला है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने कहा-

गिल इस समय रन नहीं बना पा रहे हैं। वह पिछले वर्ल्ड कप में भी नहीं खेले थे। हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं, शायद अभी थोड़े रन कम बना रहे हैं, उन्हें पिछले वर्ल्ड कप में भी मौका नहीं मिला था, यह दुर्भाग्यपूर्ण था। वहीं, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गिल का चयन न होने पर कहा। गिल को खराब फॉर्म की वजह से ड्रॉप नहीं किया गया गया है। ऐसा टीम कॉम्बिनेशन की वजह से हुआ है, हम टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर चाहते थे। उनकी काबिलियत पर कोई शक की बात नहीं है, वो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। टीम को रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर की भी जरूरत थी। यह टीम वर्ल्ड कप से पहले 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड मैच से होगी। इसी दिन भारत वानखेड़े स्टेडियम में से अपना पहला मैच खेलेगा। फाइनल 8 मार्च 2026 को खेला जाएगा। इसका वेन्यू बाद में तय होगा।

ऋषभ पंत को कप्तान बनाया

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। भारत के टेस्ट उप कप्तान ऋषभ पंत को24 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली टीम का कप्तान बनाया गया है जबकि दिग्गज विराट कोहली भी आगामी राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में दो मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पंत और कोहली के अलावा तेज गेंदबाज हर्षित राणा, अनुभवी इशांत शर्मा और नवदीप सैनी ने भी टूर्नामेंट में खेलने की इच्छा जताई है। हालांकि दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने पंत, कोहली और राणा के नाम 16 सदस्यीय सूची में शामिल नहीं किए हैं।

राष्ट्रीय गौरवः भारत की पहली 'बजाज पुणे ग्रैंड टूर ट्रॉफी' का जयपुर में अनावरण

टूर डी फ्रांस से प्रेरित, पुणे ग्रैंड टूर 2026 भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग रोड रेस की ऐतिहासिक शुरुआत

जयपुर, 20 दिसम्बर। भारत में पेशेवर साइक्लिंग के नए युग का प्रतीक, बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 की प्रतिष्ठित और विरासत-प्रेरित ट्रॉफी का आज जयपुर में भव्य अनावरण किया गया। यह गरिमामयी समारोह राजस्थान की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी तथा श्री जितेंद्र डूडी (आईएएस), कलेक्टर, पुणे जिला (रोड रेस का मेज़बान शहर) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री मदन राठौड़, सांसद, राजस्थान; डॉ. नीरज के. पवन (आईएएस), खेल सचिव, राजस्थान; श्री ओंकार सिंह, चेयरमैन, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया; तथा श्रीमती सरिका चौधरी, चेयरपर्सन, सेलेक्शन कमेटी, राजस्थान साइक्लिंग एसोसिएशन भी उपस्थित रहे। पुणे जिला प्रशासन द्वारा जितेंद्र डूडी (आईएएस) के नेतृत्व में तथा महाराष्ट्र सरकार के मजबूत सहयोग से आयोजित बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026, भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का साइक्लिंग रोड रेस आयोजन है। यह देश की पहली 2.2 श्रेणी की रोड रेस होगी, जिसमें विश्वभर से शीर्ष साइक्लिस्ट भारत की धरती पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। चुनौतीपूर्ण मार्गों और समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लिए पहचाना जाने वाला यह आयोजन पुणे और भारत को वैश्विक साइक्लिंग मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ट्रॉफी टूर के तहत पिंक सिटी जयपुर में ट्रॉफी का आगमन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो देश की सांस्कृतिक विरासत और विश्वस्तरीय खेल आयोजन क्षमता का सुंदर संगम प्रस्तुत करता है। पुणे की प्रसिद्ध 'तांबट आळी' कारीगर समुदाय द्वारा निर्मित यह ट्रॉफी, पुणे क्षेत्र के आठ ऐतिहासिक किलों और छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। इस ट्रॉफी ने साइक्लिंग प्रेमियों, खेल जगत और स्थानीय समुदाय के बीच खासा उत्साह पैदा किया है, साथ ही राष्ट्रीय खेल परिदृश्य में जयपुर की भूमिका को भी रेखांकित किया है।

इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने कहा,

यह देखकर प्रसन्नता होती है कि भारत नए खेलों को अपनाते हुए बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पुणे ग्रैंड टूर 2026 भारत की पहली वर्गीकृत साइक्लिंग रेस है, जो देश में पेशेवर साइक्लिंग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

जितेंद्र डूडी (आईएएस), कलेक्टर, पुणे जिला एवं रेस इंचार्ज, पुणे ग्रैंड टूर ने कहा, पुणे ग्रैंड टूर 2026 पिछले छह महीनों की सतत और लक्ष्य-आधारित मेहनत का परिणाम है। 2.2 श्रेणी अंतरराष्ट्रीय रोड साइक्लिंग की शुरुआती श्रेणी है, लेकिन हमारा लक्ष्य भारत को भविष्य में टूर डी फ्रांस की तर्ज पर प्रो रेस की मेज़बानी करने वाला देश बनाना है।

बजाज पुणे ग्रैंड टूर क्या है? भारत की पहली 2.2 रेसः पुणे ग्रैंड टूर, यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल ( ) द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय रोड साइक्लिंग रेस है। **संस्कृति और खेल का संगमः** 4 चरणों में आयोजित 437 किलोमीटर लंबी यह रेस किलों, पहाड़ियों और ठाामीण सौंदर्य के माध्यम से पुणे जिले की समृद्ध विरासत को दर्शाती है। **परंपरा से प्रेरित ट्रॉफीः** तांबट आळी के कारीगरों द्वारा निर्मित ट्रॉफी, क्षेत्र के आठ किलों और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का प्रतीक है।

वैश्विक साइक्लिंग का द्वारः यह आयोजन भारतीय युवाओं को प्रेरित करेगा और भारत को भविष्य की वैश्विक खेल शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। **जयपुर और भारत के लिए महत्वः** राष्ट्रीय गौरवः ट्रॉफी का जयपुर आगमन देश में मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है। **खेल पर्यटन को बढ़ावाः** यह आयोजन साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा और मेज़बान क्षेत्रों की ऐतिहासिक व प्राकृतिक सुंदरता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। भविष्य के ओलंपियनः पुणे ग्रैंड टूर को भविष्य में ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में विकसित किए जाने की संभावना है, जिससे भारतीय साइक्लिस्टों को वैश्विक मंच तक पहुंच मिलेगी।

विशेष ट्रॉफी डिज़ाइन – विरासत और प्रेरणा का प्रतीक

कुछ रचनाएं केवल आकार नहीं, बल्कि भावना और इतिहास भी संजोती हैं- पुणे ग्रैंड टूर ट्रॉफी ऐसी ही एक कृति है। यह मात्र तांबे से बनी वस्तु नहीं, बल्कि खेल की धड़कन, एथलीटों का संघर्ष और उस भूमि की स्मृति है, जहां से यह जन्म लेती है। ट्रॉफी की आकृति रेस मार्ग पर स्थित आठ किलों से प्रेरित है, जो रणनीति, साहस और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का प्रतीक हैं। इसका आठ-खंडीय स्वरूप और आठ-मुखी मुद्रा पुणे की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। ट्रॉफी के केंद्र में बना घूमता हुआ खोखला आकार एक वेलोड्रोम की अनुभूति कराता है-वह स्थान जहां साइक्लिस्ट अनुशासन, गति और निरंतर अभ्यास के माध्यम से खुद को गढ़ते हैं। पूरी तरह तांबे से निर्मित यह ट्रॉफी तांबट आळी के कारीगरों की पीढ़ियों पुरानी परंपरा को सम्मान देती है। 480 मिमी ऊंची यह ट्रॉफी अनगिनत हथौड़े की चोटों से आकार लेती है, जिनकी हर छाप उस साइक्लिस्ट की लय और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है, जो थकान के बावजूद आगे बढ़ता रहता है। यह ट्रॉफी वास्तव में दृढ़ता और निरंतरता की मूर्ति है।

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती

अहमदाबाद, 20 दिसम्बर। भारत ने आखिरी मैच में साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराकर पांच मैचों की टी-20 सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। चौथा टी-20 कोहरे की वजह से नहीं खेला जा सका था। शुक्रवार को मिली इस जीत के साथ टीम इंडिया ने लगातार आठवीं टी-20 सीरीज जीतने का कारनामा किया। भारत को आखिरी बार टी-20 सीरीज में हार अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी।

अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में भारत के 232 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। मुकाबले में हार्दिक पंड्या ने सिर्फ 16 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत के लिए दूसरी सबसे तेज टी-20 फिफ्टी लगाई। वहीं अभिषेक शर्मा भी ऐतिहासिक उपलब्धि के बेहद करीब रहे। वे एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने के विराट कोहली के रिकॉर्ड से सिर्फ 13 रन दूर रह गए।

जयपुर। पोलो मैच टीम ऑप्टिमस अचीवर्स और टीम जयपुर के बीच होगा मैच जयपुर में कल होगा 'राव राजा हनुत सिंह कप' का फाइनल जयपुर, 20 दिसंबर। राव राजा हनुत सिंह कप (12 गोल) का फाइनल रविवार, 21 दिसंबर को दोपहर 3:30 बजे राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। इस बहुप्रतीक्षित पोलो मैच में टीम ऑप्टिमस अचीवर्स का टीम जयपुर से मुकाबला होगा।

विश्व स्तरीय भारतीय धावक तैयार करने के लिए ज्यादा प्रतियोगिताओं की आवश्यकता : रुपिंदर सिंह

नयी दिल्ली, 20 दिसंबर। विश्व स्तरीय भारतीय धावक तैयार करने के लिए अनुशासन के साथ लंबी दूरी की अधिक प्रतियोगिताओं की आवश्यकता है। भारत में लंबी दूरी की दौड़ का आयोजन बहुत कम होता है, जिसके बिना न तो प्रतिभा में निखार आता है और न ही हमारे एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वयं को साबित करने का आत्मविश्वास मिलता है।

इसके लिए भारतीय धावकों को विदेशो में होने वाली दौड़ों में अधिक से अधिक हिस्सा लेना चाहिए। देश में उद्योग घरानों द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ लोकप्रिय हो रही हैं। इन्होंने विदेशी धावकों पर भारी पैसा खर्च करके जरूरी रिसोर्स बर्बाद कर दिया हैं, और भारतीय धावकों के समर्थन के लिए लगभग कोई कदम नहीं उठाया गया है। ऐसी स्थिति में, यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि भारत का मैराथन रिकॉर्ड 1978 में बना था और 47 सालों से अभी तक टूटा नहीं है। जाने माने धावक शिवनाथ सिंह ने 1978 में जालंधर में 2:12:00 के समय के साथ नेशनल रिकॉर्ड बनाया था।

महिला वर्ग में, रिकॉर्ड ओपी जैशा ने 2015 विश्व चैंपियनशिप में 2:34:43 के समय के साथ बनाया था। अगर आप 5000 मीटर से आगे के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की सूची देखेंगे, तो पायेंगे कि सभी रिकार्ड विदेश में बने है। अपने रेसिंग करियर का एक बड़ा हिस्सा देश में बिताने के बाद, एथलीटों को एहसास होता है कि भारत में कोई उनकी परवाह नहीं करता। अगर वे बेहतर करना चाहते हैं, तो उन्हें विदेश में एक अच्छी दौड़ का चयन करना पड़ता है। इसका एक हालिया उदाहरण टी गोपी हैं, जिन्होंने सात दिसंबर को वालेंसिया मैराथन में शानदार 2:12:23 का समय निकाला। टी गोपी, शिवनाथ सिंह के बाद भारत के दूसरे सबसे तेज मैराथन धावक हैं। शिवनाथ को 1976 के मॉन्ट्रियल ओलंपिक में अपनी एक मैराथन के अलावा विदेश में प्रतिस्पर्धा करने का मौका नहीं मिला, जहां उन्होंने 2:16:22 का अच्छा समय निकालकर ग्यारहवें स्थान पर फिनिश किया था। इस ठहराव की स्थिति के लिए जिम्मेदारी केवल प्रतियोगिता आयोजकों की ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय फेडरेशन की भी है, जो घरेलू लंबी दूरी सर्किट का ढ ांचा बनाने में विफल रहा है। जो देश लगातार विश्व स्तरीय धावक पैदा करते हैं, वे यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके एथलीट उच्च गुणवत्ता वाली स्थितियों में, पेस सेटर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण सहायता और एलीट प्रतियोगिता के संपर्क में रहकर अक्सर प्रतिस्पर्धा करें। हालांकि, भारत में, लंबी दूरी के धावकों में से अधिकतर को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है।

पत्नी पर जानलेवा हमला करने के अभियुक्त पति को 7 साल की सजा

जयपुर । अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-6 ने पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर उसे लहूलुहान करने वाले अभियुक्त पति पदम सिंह को 7 साल की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 12 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी पंकज बंसल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने अपनी पत्नी की हत्या का प्रयास किया और उसके चेहरे व माथे पर चाकू से कई वार कर उसे लहूलुहान का गंभीर अपराध किया। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। मामले से जुडे अधिवक्ता सुनील वशिष्ठ ने बताया कि घटना को लेकर मानवेन्द्र सिंह ने एक नवंबर, 2020 को करधनी पुलिस थाने में एक नवंबर 2020 को अभियुक्त के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि बीती रात उसकी बहन शिम्पा कंवर पर उसके पति पदम सिंह ने जानलेवा हमला किया है। अभियुक्त ने चाकू और पत्थर की मूसली से उसकी बहर पर कई गंभीर वार किए हैं। जिससे उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर जानलेवा चोट आई है। यह हमला उसकी बहन को जान से मारने के लिए साजिश के तहत किया गया। इसलिए अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई की जाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि वह बेकसूर है और उसे मामले में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

कनिष्ठ अनुदेशकों की काउंसलिंग 22 दिसंबर से

जयपुर (कासं)। कनिष्ठ अनुदेशक सीधी भर्ती-2024 के लिए अंतिम चयनित अभ्यर्थियों को 22 से 26 दिसंबर तक काउंसलिंग के बाद नियुक्तियां मिलेगी। बताया जा रहा है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में विभिन्न 20 व्यवसायों व विषयों में अंतिम चयनित 1544 अभ्यर्थियों को सितंबर-2025 में आयोजित रोजगार मेले में प्रोविजनल चयन पत्र जारी कर दिए थे। चूंकि कुल 2500 पदों पर पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण विभाग ने 26 से 28 नवंबर के बीच अतिरिक्त अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन करवाया और इसके बाद 5 दिसंबर को भर्ती बोर्ड जयपुर को पात्रता रिपोर्ट भेजते हुए शीघ्र ही संशोधित अंतिम परिणाम जारी करने के लिए कहा था।

साहस और संकल्प के साथ भारतीय सेना ने हर चुनौती का सामना किया : मुख्यमंत्री

8 से 12 जनवरी तक 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी में आधुनिक सैन्य तकनीकों से रूबरू होंगे आमजन

- 15 जनवरी को शौर्य संध्या में होगा ''ऑपरेशन सिंदूर'' लाइट एण्ड साउंड शो : भजनलाल शर्मा
- राजस्थान की धरती के कण-कण में शौर्य और बलिदान : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आर्मी डे भारत के गौरवशाली इतिहास, सम्मान और स्वाभिमान का दिन है। यह हमें भारतीय सेना के अप्रतिम शौर्य, कठोर अनुशासन, अतुलनीय बलिदान और अटूट राष्ट्रभक्ति को नमन करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि इस बार 78वें आर्मी डे परेड 2026 की मेजबानीजयपुर कर रहा है।

शर्मा शनिवार को जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी में 78वें आर्मी डे परेड संयुक्त कर्टन रेजर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्मी-डे परेड 2026 सैन्य छावनी की सीमाओं से बाहर, जगतपुरा के महल रोड पर आम नागरिकों के बीच आयोजित की जा रही है। यह आयोजन भारतीय सेना और नागरिकों के बीच विश्वास, जुड़ाव और सम्मान के रिश्ते को और मजबूत करेगा। इस परेड में लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टर्स की फ्लाई-पास्टटुकड़ियों का मार्च, ड्रोन तकनीक और आधुनिक युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को 78वें आर्मी डे परेड संयुक्त कर्टन रेजर कार्यक्रम में वीरांगनाओं को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा किआर्मी परेड के अवसर परएसएमएस स्टेडियम में ''शौर्य संध्या 2026'' के दौरान फर्स्ट डे कवर का विमोचन, शहीदों के परिजनों का सम्मान,परंपरागत युद्ध कलाओं केप्रदर्शन के साथ हीऑपरेशन सिंदूर का भव्य लाइट एंड साउंड शो आयोजित किया जाएगा। आधुनिक तकनीक के साथ 1000 ड्रोन्स का शो भी होगा। उन्होंने कहा कि 8 से 12 जनवरी 2026 तक 'नो योर आर्मी'प्रदर्शनी के दौरान आम नागरिकों को सेना की आधुनिक हथियार प्रणालियों और रक्षा तकनीक को नज़दीक से देखने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1947-48 से लेकर 1965, 1971 के भारत-पाक युद्धों, 1999 के कारगिल युद्ध से लेकर हाल के सैन्य अभियानोंमें भारतीय सेना ने हर चुनौती का साहस और संकल्प के साथ सामना किया है।ऑपरेशन पराक्रम, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने दुनिया को बताया कि हमारी सेना ना केवल आक्रामकता का जवाब देती है, बल्कि शांति, स्थिरता और राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी संरक्षक भी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती वीरता की भूमि है। यहां के कण-कण में शौर्य और बलिदान की गाथाएं समाहित हैं।

सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय सेना ने अपने अदम्य साहस और बहादुरी से पहाडों से लेकर रेगिस्तान तक देश की सीमाओं की रक्षा की है। इसके साथ ही, आतंकवाद और नक्सलवाद से मुकाबला कर देश की अंदरूनी सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि बाढ़, भूकंप और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं में भी सेना सदैव नागरिकों की सहायताके लिए तत्पर रही है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कीर्ति चक्रसे सम्मानित (मरणोपरांत) नायक मेघ राज सिंह, सेना मेडलसे सम्मानित(मरणोपरांत) हवलदार रामसिंह शेखावत, सेना मेडल सेसम्मानित (मरणोपरांत) लांस नायक बंशीधर यादव की वीरांगनाओं का सम्मान किया। साथ ही, उन्होंने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जीवन राजपुरोहित, सूबेदार अर्जुन सिंह राठौर, हवलदार मदन सिंह काजला को भी सम्मानित किया।

'संदेह और अपूर्ण साक्ष्य के आधार पर नहीं ठहराया जा सकता दोषी'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिश्वत से जुडे मामले में कहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी को सिर्फ संदेह और अपूर्ण साक्ष्य के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने रींगस थाने में तैनात रेलवे सुरक्षा बल के तत्कालीन थानाधिकारी और दो कांस्टेबल को एसीबी कोर्ट से मिली एक साल की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश कैलाश चंद सैनी व अन्य की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि रिश्वत मामले में दोषी ठहराने के लिए आरोपी के खिलाफ स्पष्ट मांग, स्वीकृति या बरामदगी सहित लंबित आधिकारिक कार्य का संदेह से परे साबित होना जरूरी है। याचिका में अधिवक्ता गिरिराज प्रसाद शर्मा ने एक आरोपी की ओर से अदालत को बताया कि साल 2007 में चिरंजी लाल ने एसीबी, सीकर में रिपोर्ट की थी कि रेलवे अधिनियम के तहत रींगस थाने में दर्ज एक मामले में उसका नाम हटाने के बदले आरोपी पांच हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। एसीबी ने 26 जुलाई को ट्रैप कार्रवाई की और दावा किया कि आरोपी कांस्टेबल सांवरमल मीणा से रिश्वत राशि मिली है। वहीं एसीबी कोर्ट ने साल 2023 में तीनों याचिकाकर्ताओं कैलाश चंद सैनी, जगवीर सिंह और सांवरमल को एक-एक साल की सजा सुनाई थी। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि मामले में परिवादी के बयान विरोधाभासी रहे हैं। वहीं परिवादी और उसके भाई के खिलाफ दर्ज मामले को जांच अधिकारी ने चार्जशीट के लिए पहले ही आगे भिजवा दिया था। ऐसे में याचिकाकर्ता मामले में परिवादी को लाभ पहुंचाने की स्थिति में नहीं था। इसके साथ ही ट्रैप कार्रवाई के समय किसी को स्वतंत्र व्यक्ति को गवाह नहीं बनाया गया।

बीमा क्लेम खारिज करने वाली कंपनी पर एक लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर-प्रथम ने फैमिली हेल्थ पॉलिसी होते हुए भी बीमित को इलाज खर्च राशि का भुगतान नहीं करने को सेवादोष माना है। वहीं गलत तरीके से परिवादियों का क्लेम खारिज करने पर बीमा कंपनी आदित्य बिडला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी पर एक लाख रुपए हर्जाना लगाया। इसके साथ ही बीमा कंपनी को निर्देश दिया है कि वह मृतका की कैंसर बीमारी पर खर्च हुए 21.14 लाख रुपए 9 फीसदी ब्याज सहित परिवादी पक्ष को दे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबेसिंह यादव, सदस्य हेमलता अग्रवाल व आशुतोष कुमार ने यह आदेश राहुल माथुर व अन्य के परिवाद पर दिए।

आयोग ने अपने आदेश में कहा कि परिवादिया को स्तन कैंसर बीमारी का पहली बार 28 जून 2023 को पता चला था। उनकी पॉलिसी 29 सितंबर 2019 से जारी थी। टॉप अप बीमा योजना, सुपर हेल्थ प्लस में उसे 50 लाख रुपए तक का कवर मिला हुआ था।

सार-समाचार

महिला कारीगरों को उन्नत टूल किट बांटे

जयपुर । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह के अंतर्गत सीतापुरा स्थित हस्तशिल्प सेवा केंद्र में निशुल्क उन्नत टूल किट वितरण समारोह आयोजित हुआ। ट्रस्ट अध्यक्ष एन.एल. वर्मा, सेनि. आरएएस ने बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमलेश शर्मा, शिल्प गुरु पुरस्कार प्राप्तकर्ता 2024 रहीं। विशिष्ट अतिथियों में मोहन लाल शर्मा (शिल्प गुरु), प्रेम देवी, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता, ब्लॉक प्रिंट, कुंज बिहारी सोनवा, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता, ब्लॉक प्रिंट, कार्पेट ट्रेनिंग अधिकार नवीन विष्णु रहे। मीडिया प्रभारी तथा स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना तथा महासचिव दुर्गा वर्मा ने बताया कि हस्तशिल्प कारीगरों के कौशल उन्नयन, उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं सतत आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 50 महिला हस्तशिल्प कारीगरों को कशीदाकारी के उन्नत टूल किट वितरित की गई। जिसमें सिलाई मशीन सहित 14 आइटम दिए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक कौशल सत्यार्थी, सेनि. मुख्य लेखाधिकारी सी. एल. आलोरिया, दिनेश, जुगल किशोर, नारायण बुनकर, सुमन देवी, विमला शेरावत, अंजू, गंगदेव, देवोजानी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नॉकआउट व डबल्स वर्ग में मुकाबला

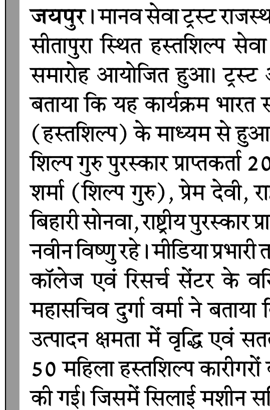

जयपुर। आईएमटीएस पिंक सिटी सीज़न 3 डॉक्टर्स की वार्षिक राष्ट्रीय टेनिस चैपियनशिप में डबल्स और नॉकआउट चरण के मुकाबलों ने प्रतियोगिता को और अधिक रोमांचक बना दिया। विभिन्न आयु वर्गों में देशभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। आयोजन अध्यक्ष डॉ. जयंत सैन ने बताया कि डबल्स पुरुष 60 प्लस वर्ग में ग्रुप-सी के मुकाबले में अर्जुन / देवांग देसाई (तेलंगाना) ने संजिव / दीपक दीक्षित को 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। डबल्स महिला वर्ग में ग्रुप-बी के मुकाबलों में ज्योति मिश्रा / नयनिका रेड्डी (उत्तर प्रदेश) ने हेमल शाह / जानकी शाह को 6-1 से हराया। अगले मुकाबले में हेमल शाह / जानकी शाह (गुजरात) ने वापसी करते हुए स्मिता चव्हाण / गीता केकरे को 6-1 से पराजित किया। पैट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि डबल्स पुरुष 40-50 वर्ष वर्ग में ग्रुप-के में अनुपाल कहलोन / यादविंदर सिंह (पंजाब) ने रणजीत / आनंद को 6-2 से हराया। वहीं ग्रुप-एफ में रवि तेज / पवन मनोहर पाटिल (तेलंगाना) ने रवि थापर / विक्रांत शाह के खिलाफ 6-3 से जीत दर्ज की। आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि नॉकआउट चरण-सिंगल्स पुरुष अंडर-40 में कृष्णा साई (तेलंगाना) ने अभिषेक जी. देशपांडे को 6-1 से हराया, जबकि नीरज बसंतानी (उत्तर प्रदेश) ने उन्नीकृष्णन को 6-2 से पराजित किया।